निरवधि सुखद

रागम्: रविचन्द्रिक ताळम्: आदि

(श्री त्यागराज विरचित)

पल्लवि

निरवधि सुखद निर्मल रूप
निर्जित मुनिशाप

अनुपल्लवि

शरधि बन्धन नत संक्रन्दन
शङ्करादि गीयमान साधु मानस सुसदन

चरणम्

मामव मरकत मणिनिभ देह

श्रीमणिलोल श्रितजन पाल

भीमपराक्रम भीम करार्चित
तामस राजस मानव दूर त्यागराज विनुत चरण

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇